विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -११ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अल्पप्राण एवं महाप्राण के बारे में अध्ययन करेंगे ।

अल्पप्राण - महाप्राण

अल्पप्राण व्यंजन एवं महाप्राण व्यंजन

उच्चारण के अनुसार व्यंजनों को दो भागों में बांटा गया हैं।

1. अल्पप्राण व्यंजन
2. महाप्राण व्यंजन

अल्पप्राण व्यंजन: ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में कम समय लगता है और बोलते समय मुख से कम वायु निकलती है उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 20 होती है।

- क ग ङ
- च ज ञ
- ट ड ण ड़
- त द न
- प ब म
- य र ल व

महाप्राण व्यंजन: ऐसे व्यंजन जिनको बोलने में अधिक प्रत्यन करना पड़ता है और बोलते समय मुख से अधिक वायु निकलती है। उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 15 होती है।

- ख घ

- छ झ
- ठ ढ
- थ ध
- फ भ
- ढ़
- श ष स ह

अघोष - सघोष

कम्पन के आधार पर हिंदी वर्णमाला के भेद

कम्पन के आधार पर हिंदी वर्णमाला के दो भेद होते हैं।

1. अघोष व्यंजन
2. सघोष व्यंजन

अघोष व्यंजन: इनकी संख्या 13 होती है।

क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स

सघोष व्यंजन: इनकी संख्या 31 होती है। इसमें सभी स्वर अ से ओ तक और व्यंजन -

- ग, घ, ङ
- ज, झ, ञ
- ड, ढ, ण
- द, ध, न
- ब, भ, म
- य, र, ल, व, ह
-